

Thirteenth Loksabha**Session : 11****Date : 10-12-2002**

**Participants :** Yadav Shri Devendra Prasad, Singh Dr. Raghuvansh Prasad, Suman Shri Ramji Lal, Jha Shri Raghunath, Singh Shri Prabhunath, H.D. Deve Gowda Shri, Dasmunsi Shri Priya Ranjan, Chatterjee Shri Somnath, Yadav Shri Mulayam Singh, Chandra Shekhar Shri, Yerrannaidu Shri Kinjarapu, Palanimanickam Shri S.S., Bandyopadhyay Shri Sudip, Malaisamy Shri K., Advani Shri Lal Krishna, Speaker, Shri Manohar Joshi Mr.

**Title: Regarding alleged police excesses on peaceful demonstration of farmers held on 9 December 2002**

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, किसानों पर लाठी चार्ज हुआ है। ... (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, the hon. Member, Shri D.P. Yadav was brutally beaten by the Delhi Police. We want the Home Minister to come and explain it before the House.....

(Interruptions) The Home Minister must come and explain it. It is a serious thing. Hon. Member, Shri Devendra Prasad Yadav has been brutally beaten up by the Police. The Home Minister should have come to the House at the first instance.... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप सब लोग बैठिए।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी का एडजार्नमेंट मोशन मेरे पास आया है। उन्होंने कहा है कि उनको पुलिस ने मारा है। लाठी चार्ज हुआ है। जब श्री डीपी यादव जी ने यह बात कही, तो मैंने होम मिनिस्टर से विनती की है कि वे जीरो आवर में सदन में आयें। जीरो आवर में आपको जो कुछ कहना है, कहिए। उसका उत्तर आपको जीरो आवर में मिल सकता है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let the Minister come before the House.

... (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, this is not a 'Zero Hour' issue. I feel that the Government of the day is keeping quiet when an hon. Member has been brutally beaten up by the police..... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I know that it is a serious issue.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Acharia, I agree that this issue is a serious one. Please sit down.

... (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, a Member of Parliament has been beaten up badly by the police..... (*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, he cannot even stand up properly..... (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Where is the Home Minister?

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप सब बैठिए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please co-operate with the Chair. I have met Shri D.P. Yadav before the House started. He has told me that he was badly beaten up by the police yesterday when there was a *lathi* charge. I have immediately requested the Home Minister - if the Home Minister is not there, the Minister of State for Home Affairs may come - to attend the House. When the hon. Member speaks, I want the Minister also to listen to him. The Minister is here. It is really difficult for him to give a reply now.

... (*Interruptions*)

SHRI A.C. JOS (TRICHUR): At the very first instance, he should have come before the House to explain the incident..... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Jos, please sit down. Therefore, let me know what the Government has to say on this issue. Shri Pramod Mahajan is here. The Minister is also here. If he is prepared to reply immediately on this issue, I have no objection. If he wants to get the information, then we may take it

up in the 'Zero Hour' to know whatever he has to say.

... (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the information is with Shri D.P. Yadav. He himself is present here..... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The hon. Member also will have to put his say before the House. The Home Minister will also speak to the House and thereafter, I can say what is to be done. Please sit down.

... (*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI I.D. SWAMI): Sir, we will obtain the information..... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There are a number of notices which I have received. The notices are all of important nature.

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आपको जो कहना है, उसकी इजाजत मैं आपको देने वाला हूँ। लेकिन मैं सोच रहा हूँ, the Minister must be ready with the information. Only then, he can give the information to the House. Your notice has been sent to him. Please sit down.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Since the Minister is present in the House, I would request him to say whatever he wants to say before the House. Shri D.P. Yadav, please go ahead.

... (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, 26 लोग घायल हुए हैं... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको कहने की इजाजत दे रहा हूँ। आपको जो कहना है, कहिए।

I have permitted the hon. Member to speak now. Let him speak now. All others should listen to him. Thereafter, whatever reply the Minister wants to give, he will give.

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझे इस विषय की गंभीरता को समझते हुए बोलने का मौका दिया। मुझे इतना दर्द है कि मैं ठीक से बोल भी नहीं सकता, लेकिन जो घटना घटी है, उसका सिर्फ एक चित्र मैं आपके सामने रखना चाहता हूँ। इस पर कार्यवाही तो सरकार को करनी है। मैंने बिहार नवनिर्माण मोर्चा के लिए सभी दलों के एमपीज़ को लिखा था और खास कर बिहार के सभी नेताओं को पत्र लिखा था। मैंने इस संदर्भ में कहा था कि हम नौ दिसम्बर को 12 बजे संसद मार्च निकालेंगे, जो बिहार के बाढ़ एवं सुखाड़ से पीड़ित किसान से संबंधित हैं, क्योंकि बिहार में छः महीने बाढ़ और सुखाड़ रहता है, उनके स्थाई समाधान के लिए यह आयोजित था। झारखंड अलग होने के बाद बिहार की बदहाली और आर्थिक स्थिति इतनी खराब है, नार्थ-ईस्ट से भी ज्यादा खराब हो गई है।

महोदय, नेपाल से जो नदियां निकलती हैं, उनसे करोड़ों रुपए की फसल बर्बाद हो जा रही है, और सारी सड़कें वहां टूट गई हैं। आपने बाढ़ के समय में देखा होगा। हम राहत की मांग नहीं कर रहे थे और न ही हम बिहार के लिए कोई आर्थिक पैकेज की मांग कर रहे हैं। हम यह कह रहे हैं कि आप नेपाल-भारत की जो वार्ता सन् 2001 में हुई, उसके मुताबिक सात जगह संयुक्त परियोजना कार्यालय खुलना है, जिससे हाई लेवल डैम या बड़ा बांध बना कर और इरीगेशन फैसिलिटी निकाल कर स्थाई समाधान की मांग थी। हम लोगों ने कल जब 12 बजे प्रदर्शन शुरू किया। संसद भवन के सामने, जो सर्वोच्च लोकतंत्र की संस्था संसद है, इसके सामने संसद मार्ग है, जंतर-मंतर है। वहां जब हम लोग पहुंचते हैं, यह बात ठीक है कि भीड़ थोड़ी ज्यादा थी, क्योंकि बिहार से लोग गाड़ियों पर चढ़ कर यहां पहुंचे थे। यहां भी जो पूर्वांचल और बिहार के लोग दिल्ली में हैं, खुराना जी यहां पर हैं, सभी लोग सड़कों पर थे। बिहार के तमाम किसान, जिनके घर डूब रहे हैं, जिनकी मां-बहनों की आंखों में हर साल आंसू आते हैं, वे जब यहां आए तो उनके साथ बेरहमी और निर्दयता का व्यवहार किया गया, जैसे कोई बाहर का आदमी आ गया हो। महोदय, क्या हम किसानों की मांगें भी नहीं उठा सकते? लोकतंत्र में पहले चेतावनी देनी चाहिए। हमारे आवास से तीन आदमियों को गलत केस बना कर गिरफ्तार किया गया। इस समय वे घायल हैं। इनकी मेडीकल रिपोर्ट है, जो मेडीकल लीगल केस बनता है, उनकी रिपोर्ट मेरे पास है, जिन्हें पुलिस गिरफ्तार करके सुबह नौ बजे थाने में ले गई है।

महोदय, हमारे लगभग सौ लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 36 गंभीर रूप से घायल हैं। मितिहरवा आश्रम, पश्चिमी चम्पारण से 2200 कि.मी. से चल कर, गांधी जी के दर्शन को मानते हुए, पदयात्रा करते हुए बिहार के पूर्व मंत्री, श्री हिंद केसरी यादव जब बेहोश हो गए तो मैंने उनके दांतों में अंगुली डाली ताकि वह किसी तरह बच जाएं। उसी समय मेरे ऊपर लाठी चली। मेरा पीएसओ, कर्ण सिंह अभी भी छटपटा रहा है। उसकी हालत बहुत सीरियस है। उसके हाथ और पैर पर प्लास्टर लगा हुआ है, क्योंकि वह मुझे बचा रहा था। उसने मुझे बचाने के लिए अपनी जान की भी परवाह नहीं की, मैं उसे धन्यवाद देता हूँ। वह दिल्ली पुलिस का ही आदमी है, जिसकी हालत बहुत ही गंभीर थी। उसी की वजह से मैं बचा हूँ। मेरे हाथ में लाठी लगी है, आप देख

सकते हैं, मैं इसे मूव नहीं कर सकता हूँ। पैरों की स्थिति मैं दिखाना नहीं चाहता हूँ, इनमें तो जान ही नहीं है, इतनी ज्यादा ब्लीडिंग हुई है। मेरी सारी धोती फटी हुई थी। वाटर केनिंग बहुत तेज रफ्तार से चल रहा था।

महोदय, मैं 27 साल से राजनीति में हूँ और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करता आया हूँ, मैंने इस तरह की बर्बरता और कठोर कार्य आज तक कहीं नहीं देखा। बिहार और पूर्वांचल के बाढ़ से पीड़ित किसानों, नौजवानों और विधायकों की हालत ऐसी हो गई है, आज हमारे दो विधायक घायल हैं - श्री राम आशीष यादव और राम कुमार यादव। ये बिहार में जनता दल यूनाइटेड के विधायक हैं। हम लोग सरकार के घटक दल हैं। हम पर जब लाठी चली तो ये हमें बचाने के लिए आए, क्योंकि हमारा सिक्योरिटी वाला क्षत-विक्षत हो गया था, उन्हें लाठी से मार कर पूरा घायल कर दिया था।

उसके बाद एमएलए साहब आये, उनकी भी हालत खराब है और उनका इलाज राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चल रहा है। सन् 1974 से राजनीति और आंदोलन में हम रहे हैं लेकिन ऐसा लाठी-चार्ज हमने पहले नहीं देखा। एक साथ तीनों चीजें होती हमने देखीं। गृह राज्य मंत्री जी यहां हैं, मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूँ कि मनोज लाल जो डीसीपी है वह मेरे पास हाथ जोड़कर आया कि आप घायल हो गये हैं अब हमें किसी तरह से बचाइये। मैंने कहा कि तुम्हारी पांच सौ पुलिस और मेरे पचास हजार लोग, क्या आप डर गये हैं? इस हालत में भी मैं माइक पर गया और उनके कहने पर बोला कि रोड़े फैंकना बंद कीजिए। रोड़े इसलिए चले क्योंकि पुलिस ने पहले पांच रोड़े मारे। मेरी महिला कार्यकर्ता तीर्था देवी, उम्र 50 वर्ष का जब सिर फूट गया और पता चला कि बिहार नव निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष एवं एमपी खून से लथपथ हैं तो उन लोगों में गुस्सा भड़का। प्रदर्शनकारी उग्र हुए क्योंकि पांच रोड़े पुलिस ने पहले चलाए। एक नाम है विन्देश्वर, जिसके सिर में दस टांके लगे हैं। पांच रोड़े जब प्रदर्शनकारियों पर लगे तो वे उग्र हो गये और उन्होंने भी पत्थर फैंकना आरम्भ किया। सड़क पर पत्थर नहीं था, पत्थर तो पुलिस ने जमा करके रखे थे कि प्रदर्शनकारियों का इलाज हर तरह से किया जाएगा। हम इसीलिए कहना चाहते हैं कि जब पत्थर पुलिस ने फैंके तो लोगों ने लाइफ इंश्योरेंस बिल्डिंग के सामने ऑफिस में जो पत्थर रोड पर लगा रहता है उसको तोड़ दिया और रोड़ा फैंकने लगे। पुलिस परेशान हो गयी कि अब तो सारी पुलिस मार खाएगी। डीसीपी को हमने कहा कि तुम तो बिहार के हो, तुम्हें शर्म होनी चाहिए। शांतिपूर्ण लोगों की पिटाई शुरू कर दी और अब लोगों को रोकने के लिए माइक पर बोलने के लिए मुझसे कहते हो। कहने लगे कि आप बोलेंगे तभी लोग रुकेंगे। हमें घायल हालत में उठाकर कहने लगा कि बोलो। मैं तो 1977 से राजनीति में हूँ और अहिंसावादी हूँ। मैंने पुलिस के माइक से, जिसका फोटो है और अगर आप चाहें तो मैं वीडियो पेश कर सकता हूँ। मैंने पुलिस के हैंड-माइक से कहा कि भाइयों, अब तुम जो रोड़ा चलाओगे वह मुझे लगेगा। मेरे

हाथ में चोट है, पैर में चोट है, अब क्या सिर फुड़वाओगे? पुलिस से पहले तुम्हारा रोड़ा मैं खाऊंगा। मेरे पांच मिनट कहने के बाद रोड़े बंद हुए हैं।

यह डीसीपी का नैतिक साहस है। मैं माननीय गृह मंत्री जी को कहना चाहता हूँ कि किस तरह से डीसीपी गिड़गिड़ा रहे थे। कहां था तब प्रशासन? हमने प्रधान मंत्री जी के प्रभारी मंत्री जी को हाथ में लिखकर यह सूचना दी कि आप शिट मंडल को मिलने के लिए, जो बिहार से किसान आ रहे हैं इतनी संख्या में, बाढ़ सूखाड़ के स्थाई समाधान के लिए समय दें। जितने भी आप आदमी चाहेंगे उतने ही शिट मंडल में मिलेंगे। माननीय विजय गोयल के हाथ में मैंने तीन तारीख को लिखकर दस्तखत करा लिया था। उन्होंने कोई एहतियाती कार्रवाई नहीं की और न ही सूचित किया कि आपसे मिलना है या नहीं मिलना है या हम ही आपसे ज्ञापन संसद मार्ग पर ले लेंगे। ज्ञापन लेने की बराबर परिपाटी है, लिया जाता रहा है। लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। हमने वहां भी पूछा कि कोई मैमोरेण्डम लेने के लिए सूचना आई है लेकिन हमें कहा गया कि ऐसी कोई सूचना नहीं है लेकिन अगर आप ज्ञापन देना चाहते हैं तो पुलिस को दे सकते हैं।

**अध्यक्ष महोदय :** देवेन्द्र प्रसाद जी, अभी मंत्री जी और गृह मंत्री जी यहां हैं। विषय बहुत गंभीर है। आपने बता दिया कि आपको लाठी-चार्ज में कैसे मारा गया है? मैं माननीय गृह मंत्री जी से चाहता हूँ कि वे इस विषय पर अगर आपका निवेदन समाप्त हो गया हो तो जवाब दें।

...(व्यवधान)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** अध्यक्ष महोदय, मैं तीन-चार बातें कहना चाहता हूँ। संसद मार्च के लिए आये हुए बिहार के बाढ़-सूखाड़ पीड़ित किसान थे और जिनकी 9 सूत्री मांगें थीं। क्या लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए, लोकतांत्रिक तरीके से, प्रदर्शन और रैली निकालने का हमें अधिकार नहीं है? मैं जानना चाहता हूँ कि संविधान के तहत जो प्रदत्त अधिकार हैं क्या वे अधिकार हमें नहीं थे? हमारा जुलूस और प्रदर्शन शांतिपूर्ण था जो कैमरे में भी कैद होगा। इतना ही नहीं है ऐसा अश्रु-गैस, लाठी चार्ज और वाटर-कैनन एक साथ चलते हुए मैंने कभी नहीं देखा। वाटर कैनन में काफी फोर्स थी, हम लोग 10-10 फीट पीछे आ रहे थे। मेरा कहना है कि क्या संविधान में हमें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार नहीं है? क्या पुलिस की परिपाटी रही है कि एक साथ वाटर-कैनन, अश्रुगैस, रोड़े और लाठी चार्ज करे? ऐसा मैंने 27 साल के अपने संसदीय



जीवन में नहीं देखा। सब एक साथ चला, मेरी आंखों के सामने चला और मैं गवाही देने के लिए तैयार हूँ। डीसीपी ने मना किया, उसके सामने भी चला। उसने भी कहा कि अश्रुगैस क्यों चला रहे हो? कोई नहीं मान रहा था। पुलिस निरंकुश हो गयी थी जो एक साथ चारों चीजों चल रही थीं। जिन-जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है उन लोगों की मेरे पास मैडीकल रिपोर्ट है। गृह मंत्री जी यहां मौजूद हैं। इस घटना की, सदन की एक समिति से निपक्ष जांच करा दी जाए। पूरी तरह से जांच हो जाए और गृह मंत्री जी के पास जो भी तथ्य हों, वे सदन को उन तथ्यों से अवगत करावें। मैं माननीय गृहमंत्री जी से स्पष्ट बयान की मांग करता हूँ और चाहता हूँ कि सदन की सर्वदलीय समिति बने, जो सारी घटना की जांच करे। यह मैं मांग करता हूँ।

**अध्यक्ष महोदय :** इस विषय पर मेरे पास 4 माननीय सदस्यों के नोटिस है। रघुवंश प्रसाद जी, देवेन्द्र प्रसाद जी का निवेदन हो गया। रामजी लाल सुमन जी की भी नोटिस है और रघुनाथ झा साहब का भी नोटिस है। प्रभुनाथ सिंह जी का भी नोटिस हमारे पास है। माननीय संसद सदस्यों ने जो निवेदन किया है, मैं नहीं जानता हूँ कि माननीय गृहमंत्री जी इस निवेदन पर क्या कहना चाहते हैं लेकिन मैं सब को इस विषय से एसोसिएट करता हूँ और गृह मंत्री जी से कहता हूँ कि वे जवाब दें।

...(व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) :** अध्यक्ष जी, जब सत्ता पक्ष के सहयोगियों के साथ यह हाल हो रहा है तो विपक्ष के साथ यह क्या बर्ताव करेंगे?

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI :** Mr. Speaker, Sir, it is not a question of the honour of an individual Member; it is a question of the honour of the entire House. The way the hon. Member has been treated by Delhi Police, while leading a peaceful demonstration with the full knowledge of the Government and with an advance notice to the Prime Minister's Office, is a matter of shame. The entire House condemns it. ... *(Interruptions)* We cannot take it casually because it pertains to the honour of the entire House.

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) :** जब सत्ता पक्ष के लोगों के साथ इस तरह का व्यवहार हो रहा है तो विपक्ष का क्या होगा?

**अध्यक्ष महोदय :** जिन सदस्यों ने नोटिस दिया है वे दो-दो मिनट में अपना निवेदन करें। श्री रघुवंश प्रसाद सिंह जी।

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) :** अध्यक्ष महोदय, कल माननीय देवेन्द्र प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में बाढ़ और सूखाड़ के स्थाई समाधान के लिए बिहार के मितिहरवा आश्रम से किसान चलकर आये थे। बाढ़-सूखाड़, जल-जमाव से जो लोग पीड़ित हैं।

इसके खिलाफ और बाढ़ मुक्ति आन्दोलन के लिए लोगों ने प्रदर्शन किया। वहां माननीय देवगौडा जी, श्री राजो सिंह, श्री रघुनाथ झा, कैप्टन जयनारायण निाद सभी माननीय सदस्यगण थे। वहां जाने से पता लगा कि सौ से ज्यादा किसानों पर इनडिसक्रिमिनेट लाठीचार्ज हुआ। हमने ऐसा जुल्म पहले कभी देखा नहीं था। इस आन्दोलन का नेतृत्व श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव कर रहे थे। उनकी मार-मार कर लात तोड़ दी, कपड़े फाड़ दिए जिससे वे किसान भी घायल हो गए जो वहां पैदल चलकर आए थे। श्री हिन्द केसरी यादव पर जानलेवा हमला हुआ। वह अस्पताल में बेहोश पड़े हैं और जीवन-मरण की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसी तरह से रामशी यादव, श्री रामकुमार यादव जो पूर्व एमएलए और मंत्री थे, उन सब को और महिलाओं को घसीट कर पीटा गया। पुलिस ने कतार तोड़ दी। इस तरह का अंधेर जुल्म उन किसानों पर लाठी मार कर हुआ जिस का नेतृत्व माननीय देवेन्द्र प्रसाद यादव, जो इस सदन के एक माननीय सदस्य हैं, कर रहे थे। ऐसा अंधेर जुल्म देखा नहीं गया। किसानों पर लाठीचार्ज हुआ। यह एक बर्बरतापूर्ण कार्रवाई है। ऐसा करके किसानों को दबाया गया। यह मामला विशेषाधिकार का बनता है। संसद के सामने जन्तर मन्तर रोड पर कई माननीय सदस्यों और किसानों को पीटा गया। यह सदन की गरिमा का प्रश्न है। लोकतांत्रिक अधिकारों को संरक्षण देने का दायित्व आपके ऊपर है। लोकतांत्रिक प्रणाली के अन्तर्गत, देश की सर्वोच्च संस्था में सभी लोग अपनी बात रखते हैं, उनका इजहार करते हैं। ऐसा करके उनके अधिकारों को छीनने का प्रयत्न किया गया। सरकार ने व्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों का हनन किया है, इसलिए इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बिहार की बाढ़ समस्या का निदान होना चाहिए। यह बात बर्दाश्त करने लायक नहीं है। अब ईट से ईट बजेगी और हम लोग भी संसद तक मार्च करने के लिए तैयार हैं चाहे जो कोई हो, हम तब तक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं जब तक इस समस्या का समाधान नहीं होगा।

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, कल जो कुछ हुआ और जिस तरह से किसानों पर लाठीचार्ज हुआ, उसे लेकर श्री देवेन्द्र यादव ने पूरी बात को आपके समक्ष रखा। लंबे समय से किसानों की ऐसी समस्याएं हैं। नेपाल की नदियों से प्रति वर्ष बाढ़ आती है। इस बारे में सम्मानित सदन में कई बार चर्चा भी हुई। अगर सरकार का रवैया सार्थक होता तो मैं नहीं

समझता कि किसानों को प्रदर्शन करने की आवश्यकता पड़ती। इन सब चीजों का एक स्थायी हल निकले, वहां के किसान खुशहाल हों, यह प्रयास करना चाहिए। इन सब सवालों को लेकर कल जन्तर-मन्तर रोड पर किसानों का प्रदर्शन था। सबसे अहम सवाल यह पैदा हो गया है कि क्या देश में विरोध करने का हमारा संवैधानिक अधिकार रहेगा या नहीं? कल जिस तरह से शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज हुआ, जो देवेन्द्र प्रसाद यादव जो इस सदन के सम्मानित सदस्य हैं उन पर लाठीचार्ज हुआ, दो विधायकों पर लाठीचार्ज हुआ, हम उसकी कड़ी निन्दा करते हैं। श्री हिन्द केसरी यादव जो पूर्व मंत्री थे, उनकी बुरी हालत है और वह अस्पताल में हैं। इन सब लोगों के ऊपर जो जुल्म हुआ, मैं समझता हूँ कि वह किसी कीमत पर न्यायसंगत नहीं है। दिल्ली पुलिस भारत सरकार के अधीन आती है। यह जो कुछ हो रहा है, उसे देख कर मुझे लगता है कि सरकार का जनतंत्र में कोई विश्वास नहीं है। यह एक बहुत गम्भीर मामला है। एक सांसद के साथ जो व्यवहार हुआ, कल उनकी जो दुर्गति हुई, जिस तरह उनकी निर्मम पिटाई हुई, वह बर्दाश्त करने के काबिल नहीं है। संसद की एक कमेटी बना कर इन सब चीजों की जांच करायी जाए और उन लोगों को दंडित करने का काम किया जाए, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने का साहस किया।

**श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, कल आपको स्मरण होगा कि जैसे सदन की कार्यवाही शुरू हुई, मैंने इस प्रश्न को उठाया और आपने आज्ञा दी कि शून्यकाल में इसे उठाइए। शून्यकाल में मैंने इस सवाल को उठाया था कि बिहार के हजारों-हजार किसान श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव के नेतृत्व में बाढ़ और सूखे का स्थायी निदान निकालने के लिए संसद पर मार्च कर रहे हैं।

उस समय सरकार के जल संसाधन मंत्री बैठे हुए थे। इन्हें उन लोगों के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी समस्याओं को जानना चाहिए और उनका निदान ढूंढना चाहिए था।

अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न दिल्ली तक बितहरवा से पहुंचा, जहां से गांधी जी ने देश की आजादी की राजनीति की शुरूआत की थी और उसी धरती से उन्होंने महात्मा जी की ख्याति प्राप्त की थी। बिहार की उस धरती से चलकर किसान आखिर दिल्ली के इस मुख्यालय तक क्यों आये। क्योंकि नेपाल से आने वाली नदियां जिनका नियंत्रण बिहार सरकार के हाथ में नहीं है। इन नदियों से बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तरी बंगाल में जो नुकसान होता है, उसके लिए भारत सरकार ही उनसे बात कर सकती है। संसद में कल इस पर चर्चा हो रही थी। कई बार इस विषय पर चर्चा हुई है और हर साल चर्चा होती है। जब भी बाढ़ का मौसम आता है, हम लोगों को उसे झेलना पड़ता है। जो भी साधन इसके लिए केन्द्र सरकार या राज्य सरकार लगाती है, वे क्षत-विक्षत हो जाते हैं। हमारी खेती बरबाद हो जाती है। सैकड़ों गांव नदियों के कटाव में विलीन हो जाते हैं। लाखों एकड़ जमीन जल-जमाव से प्रभावित होती है और हजारों लोग मरते हैं। इन सारी चीजों के निदान के लिए यहां आने के पहले ही बाढ़ के मामले में बिहार के मुख्य मंत्री के नेतृत्व

में सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल माननीय प्रधान मंत्री जी से मिला था और उसमें यह बात तय हुई थी कि दोनों राज्य सरकारों का नेपाल में कार्यालय खुलने वाला है, वह कार्यालय खुलेगा और इस पर काम शुरू होगा। लेकिन अभी तक वहां काम शुरू नहीं हुआ है।

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) :** माननीय प्रधान मंत्री जी ने गोरखपुर में स्वयं कहा था कि नेपाल से निकलने वाली नदियों की समस्या का समाधान किया जायेगा। लेकिन आज तक वह समाधान नहीं निकला है।

**श्री रघुनाथ झा :** अध्यक्ष महोदय, दो बातें हम लोगों ने इस सदन में बार-बार उठाने का काम किया है। हम लोग बिहार की जनता के प्रतिनिधि हैं। जब पहले से प्रधान मंत्री जी के कार्यालय में इस बात की सूचना, इत्तिला देकर श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी ने इस मोर्चे का नेतृत्व किया और जिस तरह की घटना वहां घटी, उसका वर्णन उन्होंने खुद किया है। हम सभी लोग यहां से वहां गये थे। माननीय पूर्व प्रधान मंत्री श्री देवेगौड़ा जी, माननीय सदस्य श्री रघुवंश प्रसाद सिंह, श्री राजो सिंह, श्री निनाद आदि लोग वहां गये थे। जिस तरह से यादव जी वहां लथपथ अवस्था में पड़े हुए थे, हमें इस बारे में मालूम नहीं पड़ा। जब हम लोग वहां गये तो हम लोगों को माइक पर भाग करने के लिए खड़ा कर दिया गया। बाद में हमें मालूम हुआ कि इन्हें मार-पीट कर वहां सुलाया हुआ है। जब पूर्व प्रधान मंत्री जी वहां पहुंचे तब वह उनके साथ मंच पर पहुंचे। उसके बाद रघुवंश बाबू आये और दूसरे लोग भी वहां से बोले। वहां पूर्व मंत्री श्री हिंद केसरी यादव, श्री राम कुमार यादव, श्री रामाशीश यादव और सैकड़ों कार्यकर्ताओं को पीट-पीट कर इन लोगों ने बुरी तरह से घायल कर दिया तथा उल्टे उन पर केस कर दिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। महोदय यदि इस तरह की बातें हमारे साथ होती रहेंगी तो हम लोग फरियाद करने के लिए कहां जायेंगे और हम लोगों का कौन संरक्षक होगा। आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं। हम लोग कहना चाहते हैं कि यह बिहार की जनता का अपमान है और हम पूरी तरह से इन चीजों का मुकाबला करेंगे। अन्यथा भारत सरकार इसका स्थायी समाधान ढूंढे तथा आप एक सर्वदलीय कमेटी बनाकर इसकी जांच करायें तथा जो भी इस तरह के काम करने वाले लोग हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी और श्री रघुनाथ झा जी ने इस पर विस्तार से चर्चा की है, इसलिए मैं ज्यादा समय नहीं लेना चाहूंगा। लेकिन एक-दो सवाल हम आपके सामने रखना चाहते हैं। जब-जब सदन का सत्र चलता है तो कहीं न कहीं से किसानों की समस्याओं पर चर्चा होती है। इस सत्र में भी इस पर श्री बसुदेव आचार्य जी ने चर्चा उठाई। किसी न किसी तरह से हम लोग इस पर चर्चा चलाते रहते हैं और जब बाढ़ और सुखाड़ का समय आता है तो उस समय भी इसकी चर्चा उठती है और जब इसकी चर्चा उठती है तो उसमें बिहार का नाम जरूर आता है।

अध्यक्ष महोदय, बिहार बाढ़ और सुखाड़ दोनों से प्रभावित होता है। कई बार नेपाल से वार्ता करने के लिए चर्चा चली। इस बारे में श्री रघुनाथ झा जी ने बताया है। वहां के पीड़ित और दुखी किसानों की एक रैली श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में निकाली गई थी। श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी के विषय में मैं ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता, वह इस सदन के पुराने सदस्य हैं और अध्यक्ष महोदय जब कभी भी आप इस आसन पर नहीं रहते हैं तो पैनल में रहने के नाते इस आसन पर श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी बैठने का काम करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, हम सरकार से सिर्फ दो-तीन बातें जानना चाहते हैं- पहली यह कि जो प्रदर्शनकारी आ रहे थे, वे क्या कोई उत्पात मचा रहे थे, खुराफात कर रहे थे या ईट-पत्थर फेंकने का काम कर रहे थे जिसके चलते पुलिस को लाठीचार्ज करने की आवश्यकता पड़ी ?

दूसरी यह कि क्या श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव, माननीय सांसद क्या स्वयं उग्र थे और क्या वे उग्र प्रदर्शनकारियों को संसद की तरफ कूच करने के लिए भड़का रहे थे ?

तीसरी यह कि बिहार के बाढ़ और सूखे को लेकर बिहार के गरीब किसान अपनी मांगों को मनवाने के लिए प्रदर्शन कर रहे थे जिसके बारे में प्रधान मंत्री जी के कार्यालय को देवेन्द्र प्रसाद जी ने सूचना दी, क्या कोई मंत्री या प्रधान मंत्री जी की ओर से कोई व्यक्ति किसानों का मैमोरेण्डम लेने के लिए नहीं जा सकता था, यदि नहीं गया, तो श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी अथवा प्रदर्शनकारियों का इसमें क्या कसूर था ?

चौथे मैं यह जानना चाहता हूं कि चूंकि देवेन्द्र प्रसाद यादव जी, आपकी अनुपस्थिति में आसन की शोभा बढ़ाते हैं इसलिए उन पर किया गया लाठीचार्ज, क्या आसन पर लाठीचार्ज नहीं माना जाएगा और उसकी अवमानना नहीं माना जाना चाहिए ?

पांचवीं बात मैं यह जानना चाहता हूं कि इस प्रकार की दुखद घटना की एक सर्वदलीय संसदीय समिति बनाकर जांच कराए जाने में क्या कठिनाई है ? मैं मांग करता हूं कि संसद की सर्वदलीय समिति बनाकर इस घटना की जांच की जाए।

अध्यक्ष महोदय, देवेन्द्र प्रसाद यादव जी को शरीर में अनेक स्थानों पर चोटें लगी हैं और पांच-पांच जगह पर बैंडेज बंधा हुआ है। यह सिर्फ देवेन्द्र प्रसाद जी के साथ घटी घटना नहीं है बल्कि संपूर्ण बिहार के किसानों के साथ घटी घटना है। जो लाठी चलाने वाले लोग हैं या लाठी चलवाने वाले लोग हैं, मैं मांग करता हूं कि गृह मंत्री सबसे पहले उन्हें सस्पेंड करने की कार्रवाई करें और उसके बाद जांच कराने के निर्देश दें। यदि इस बात से सरकार भागेगी, तो मैं समझूंगा कि इस कार्रवाई में सरकार का हाथ है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुनील खान जी, बैठिए। यह बहुत गम्भीर विषय पर चर्चा हो रही है। जब गम्भीर विषय पर चर्चा हो, तो वह गम्भीरता से ही होनी चाहिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह जी के घर से तीन घायल लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जो घायल अवस्था में हैं। उन तीनों व्यक्तियों को छोड़ने का आदेश देने की भी कृपा की जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया।

SHRI H.D. DEVE GOWDA (KANAKPURA): Mr. Speaker, Sir, when this incident took place, I was also there. Hon. Deputy Prime Minister is present here. He is going to reply on behalf of the Government. I must compliment Shri D.P. Yadav. When I went there, he was trying to persuade the angry mob to be more peaceful. He tried to push them back. By the time I went there, the *lathi-charge* had already taken place. He was severely wounded. Several other leaders of the farmers were also injured. Some MLAs and some former Ministers were also injured. I have seen the wounds with my own eyes. There is nothing to be exaggerated. With all his sufferings due to *lathi-charge*, he prevailed upon the angry mob to go back and not to again allow any type of ugly incidents. That shows his sincerity not to allow any friction between the police and the peaceful agitators.

Normally during Session when Parliament is sitting, several such types of agitations are held in this country to show their problems, to draw the attention of the Government and the Parliament so that they can get remedy from this august House, and through this august House from the Government. That was the purpose of this agitation of the farmers of Bihar organised under the leadership of Shri D.P. Yadav. I do not want to hold brief for anybody. I do not know why the police went to the extent of such type of excessive action against them. I do not know why. I do not know what provoked them. There were three barricades. Nobody is going to capture or conquer this Parliament House. Nobody comes inside the House and tries to assault the Prime Minister or the Home Minister. Their purpose is to draw the attention of the Prime Minister and to get their problems solved by the Prime Minister.

During such peaceful demonstrations at Jantar Mantar, I do not think, anything has ever happened. We have also had several demonstrations. I am unable to understand why this has happened yesterday. May I request

you that instead of the inquiry to be conducted by the House Committee, as demanded by Shri Devendra Prasad Yadav, let it be left to the Government.

The hon. Speaker should decide whether hon. Members of this House have the liberty, at least, to bring delegations from their constituencies or from their States where people are suffering because of various factors. I do not want to deal with all those problems now. It is a different matter why all these things have happened. Have they no right to bring a delegation or to head a delegation for a peaceful demonstration when the Parliament Session is going on?

Why has the police taken such an excessive action against a sitting Member of this House? Forget the normal police excesses in various States. I do not want to drag all those issues into this issue. I would request the hon. Deputy Prime Minister that he must keep some of those officers under suspension. Why did they go to the extent of arresting three people who were in the house of Shri Devendra Prasad Yadav today? Such fabricated cases are being lodged only to strengthen the excessive action taken by the police against the peaceful demonstrators. We were also in administration. We know how to run the administration at the State level and at the Central level. The very object of going to Shri Devendra Prasad Yadav's house and arresting three people who were inside the house is to register a fabricated case and justify the excessive action by the police. I am sorry to say that this is something unheard of. I demand that the hon. Deputy Prime Minister should suspend those officers pending inquiry by the House Committee or by the Government, whichever mechanism is going to be there. That is what I want. I was a witness and I am sorry for all these incidents.

MR. SPEAKER: All hon. Members who had given notices have been permitted to speak. A few leaders would also like to make their statements on this. I would request those leaders who would be allowed to speak to be brief. That would be my request.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, on my behalf and on behalf of our party, we sincerely express our concern.

We have heard the statement made by our dear colleague Shri Devendra Prasad Yadav today. He had invited all of us. I was preoccupied elsewhere yesterday. He invited me personally to attend the rally. On our behalf, our representative Shri Rajo Singh had been there. We have heard everything. I sincerely and very strongly feel that it is not a matter really with Shri Devendra Prasad Yadav alone. The representatives of this House are elected by the people not just today but right from 1952.

On issues pertaining to the people where it is not sufficiently understood to be settled by the Government, people do come to the Capital. I can understand, the Government is very determined to fight cross-border terrorism and has put up enough checks and balances in the city. When hon. Members of Parliament bring people from their areas to lodge grievances of the people in a peaceful manner and that too after giving advance intimation to the Government, the first thing the Government should do is to extend the courtesy to that hon. Member and his delegation to understand what for they are coming to the Capital.

Here, Shri Devendra Prasad Yadav has stated that he gave advance intimation to the Minister of State in the Prime Minister's Office Shri Vijay Goel, who extended discourtesy. He did not respond and try to understand even as to what Shri Devendra Prasad Yadav was thinking. It is a discourtesy not only to Shri Devendra Prasad Yadav but also to Parliament, the leaders of the people in this country and our democratic system. Therefore, we strongly disapprove and condemn this callous, casual and frivolous attitude of this Government.

Mr. Speaker, Sir, we feel that this House Committee, which is required to inquire into the matter should make the Government understand, if Members of Parliament bring people to lodge their grievances and protests, how to take care of them and how to take cognisance of it.

Today, this incident has taken place; tomorrow, it might happen with other Members of Parliament. We strongly feel that the Administration has acted most ruthlessly through its police. The Government of India, in spite of having received the advance intimation, did not take any cognisance of it and thereby insulted the people who had given the notice.



I demand a House Committee be immediately set up. After that the Government can take whatever action they like. They should instantly suspend the erring officials and should release those who have been detained in the custody since morning knowing full well that hon. Member, Shri Devendra Prasad Yadav may raise these things in the House.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, it is almost a mockery that this House was discussing the farmers' issue and a farmers' delegation was being so ruthlessly dealt with by this Government. It is a matter of great concern also. Hon. Member, Shri Devendra Prasad Yadav is not only a very respected person but, if I may say so without meaning disrespect to anybody, a very sober and a very respected Member of Parliament. We have had the privilege of seeing him both as a Minister and as a Member of Parliament. He is a very respected Member. He is facing and feeling so much of agony today. I would have expected that before he raised the matter in the House, the Government of India should have come out and tendered an apology to the whole House and to hon. Member, Shri Devendra Prasad Yadav for what had happened yesterday.

Now, it has to be an extracted statement from the Government. They did not respond earlier. An hon. Member of Parliament belonging to the ruling group gave a notice to the hon. Prime Minister's office; and to everybody for holding a demonstration. So many Members of Parliament are present here. I do not know what will the Committee further do. We have got a first-hand report of what had happened. There is no reason to disbelieve hon. Member, Shri Devendra Prasad Yadav as to what had happened.

It is a question of taking action by the Government. This is an attitude of could-not-care-less by this Government of what is happening. This is an issue of farmers. People of a particular State, along with those of other States, are facing severe problems. Is this the way that you treat them? Heavens would not have fallen if hon. Member, Shri Devendra Prasad Yadav and other hon. Members of Parliament, some leaders of the *Kisans* who had come all the way from Bihar because of the great problem they are facing, had been called and the matters had been discussed with them. This is an intransigence of this Government which is showing the method of their functioning. They do not bother for these people.

Sir, we strongly object to this and we strongly condemn it. I would request the hon. Deputy Prime Minister and the Minister of Home Affairs to tell us – not only tendering an apology – as to what action he has taken till now and why fresh arrests are being made. There is no doubt that as hon. Member, Shri Deve Gowda has said this is to fabricate cases against them and try to show that they were responsible for all.

Therefore, we strongly demand immediate action. We must assert our rights to bring people to represent their grievances. ... (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, अभी पांच आदमियों को और गिरफ्तार किया गया है।... (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह गंभीर घटना है।... (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : हम यहां सवाल उठा रहे हैं और उधर गिरफ्तारी कर रहे हैं।... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हाउस चल रहा है फिर भी पांच आदमियों को गिरफ्तार किया गया है।... (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, we condemn this. ... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : अभी जो पांच आदमियों को गिरफ्तार किया गया है, इस बारे में भी गृह मंत्री जी बताएंगे।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी बोल रहे हैं, आप बैठिए।

... (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : जाली केस कर रहे हैं।... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : इधर चर्चा चल रही है और उधर गिरफ्तारी हो रही है।... (व्यवधान) जान-बूझकर इस तरह का आतंक मचाया जा रहा है।... (व्यवधान)

**श्री प्रियरंजन दासमुंशी :** अब सरकार की नज़र में किसान भी आतंकवादी बन गए हैं।...(व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, सारे तथ्य सामने आ गए हैं और इस संबंध में हमें विस्तार से कोई चर्चा नहीं करनी है। एक नया तथ्य आपके सामने आ ही चुका है कि जब यहां बहस चल रही है और यह ऐसा पहला घंटा है जिसमें सब लोग दूरदर्शन के माध्यम से देखते हैं। यह सदन के लिए चेतावनी है कि सदन में बहस होते हुए, चर्चा होते हुए, गंभीरता से सवाल उठाते हुए पांच लोगों को और गिरफ्तार किया गया है। दूसरी बात यह है कि क्या श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव और उनके साथियों के पास कोई हथियार थे।

क्या वे ईंट पत्थर लेकर आये थे? निर्दोष और निहत्थे लोगों पर कभी भी लाठीचार्ज या गोली चलाने का अधिकार किसी को भी नहीं है, ज्यादा से ज्यादा उन्हें वे गिरफ्तार कर सकते थे। दूसरी बात यह है कि सांसद...(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य :** आपने क्या किया था?

**SHRI TARIT BARAN TOPDAR (BARRACKPORE):** This is the voice of fascism. ... *(Interruptions)*

**कुंवर अखिलेश सिंह :** क्या किया था? आप तमाशा करते हैं।

**श्री मुलायम सिंह यादव :** उन्हें कहने दो, मैंने क्या किया था। ये लोग बोलते रहते हैं, ऐसे लोगों की बात को गंभीरता से क्यों लेते हो। ऐसे लोगों की बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता ही नहीं है।

इसलिए हम आपसे कहना चाहते हैं कि देवेन्द्र प्रसाद यादव के बारे में जैसा माननीय सोमनाथ चटर्जी ने कहा, वे ऐसे ही नहीं, एक महत्वपूर्ण नेता हैं। केन्द्र सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद पर रह चुके हैं, इसकी सब को जानकारी है। ऐसा नहीं था कि कोई अपरिचित हो, जिनको नहीं जानते हों। पूर्व प्रधानमंत्री जी बार-बार कहते हैं कि वे शान्त करा रहे थे, उसके बाद भी उनको पीटा गया, गम्भीर चोटें पहुंचाई गई, उनके साथियों को पीटा गया, निहत्थे और निर्दोष किसानों को पीटा गया। किसानों से सीधी-सादी कौम कोई नहीं होती, उनका कोई संगठन भी नहीं है। लेकिन हम आपसे कहना चाहते हैं कि सीधे-सीधे सरकार की जो कमेटी की बात आई, देवेन्द्र प्रसाद यादव जी से एक बहुत मामली सी बात कही है, हम उससे तत्काल सहमत हो जाएंगे, इसलिए कि यह संसद हिन्दुस्तान की सारी की सारी विधानसभाओं के लिए भी आदर्श है। जब यहां इस उच्च सदन के एक माननीय जनप्रतिनिधि को, जिस लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि सर्वोच्च होता है, उस पर इस तरह का जुल्म अत्याचार होता है तो आप अंदाज कीजिए कि सारे हिन्दुस्तान में, उत्तर प्रदेश

से लेकर हम अकेले नहीं, पूरे हिन्दुस्तान की बात कह रहे हैं, केवल एक माननीय पार्टी का सवाल नहीं है, एक माननीय सदस्य का सवाल नहीं है और इस पर कोई राजनीति नहीं है। हम तो जानते हैं, हम चाहते हैं कि पूरा सदन इस मामले में एक होना चाहिए और एक होकर, हमारे जनप्रतिनिधि की एक प्रतिठा है, उस प्रतिठा को बचाने के लिए आज सवाल न इस पार्टी का है, न विपक्ष का है, न दल का है, इसलिए हमारी पहली मांग है और हम माननीय सोमनाथ चटर्जी से सहमत हैं कि सबसे पहले गृह मंत्री जी को सरकार की तरफ से माफी मांगनी चाहिए।

नम्बर दो-अब जरूरत नहीं है, सबूत आपके सामने है। अगर माननीय सदन पर विश्वास करते हो, हम नेताओं पर विश्वास करते हो, आपके सत्ता चलाने वाले साथियों पर विश्वास करते हो तो तत्काल यहां घोणा करनी चाहिए कि जिन्होंने लाठीचार्ज किया, आंसूगैस का प्रयोग और निहत्थे निर्दोष लोगों पर जो लाठीचार्ज किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। जिन्होंने आदेश दिया, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। अभी जो कार्रवाई की है, पांच लोगों को और गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उसके बाद जो संसदीय समिति की बैठक हो, उसका भी हम समर्थन इसलिए कर रहे हैं कि भविष्य में जनप्रतिनिधियों पर इस तरह का जुल्म अत्याचार करने की किसी की हिम्मत नहीं हो, जो एक संवैधानिक अधिकार है। किसान के बिना तो देश ही नहीं चल सकता है, उन पर इतना जुल्म ज्यादाती की जाती है तो पूरे सदन को इसकी घोर निन्दा सर्वसम्मति से करनी चाहिए। यह न सत्ता पक्ष का सवाल है, न विपक्ष का सवाल है। आज हिन्दुस्तान के लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि सर्वोच्च होता है, यह उसके सम्मान का सवाल है।

**श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) :** अध्यक्ष जी, मैं देवेन्द्र प्रसाद यादव को विद्यार्थी जीवन से जानता हूं। जयप्रकाश जी के आन्दोलन में इनकी जो भूमिका रही है, मैं उससे परिचित हूं। मैं कल यहां नहीं था, जो कुछ घटना घटी है, उसे मैंने समाचार-पत्रों से देखा। आज देवेगौड़ा जी ने जो बताया, वह और दुखद था। लेकिन सबसे दुखद बात यह है कि जब इस विषय पर इस सदन में चर्चा हो रही है, उस समय भी दिल्ली की पुलिस अपनी चाल से बाज नहीं आ रही है और लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। शायद किसी भी संसद के लिए यह पहली घटना होगी, जब अध्यक्ष महोदय, आपके नेतृत्व में यह सदन उस विषय की चर्चा कर रहा है, कम से कम उस समय सरकार के इन अधिकारियों को, पुलिस के लोगों को थोड़ा संयम बरतना चाहिए। अगर वह संयम नहीं बरत रही है तो मैं आपके जरिये आडवाणी जी से निवेदन करूंगा कि ऐसे अधिकारियों पर अंकुश लगाने के लिए कुछ सोचें।

यह सवाल केवल किसी संसद सदस्य की अवमानना का नहीं है, सवाल किसी पर लाठीचार्ज करने का नहीं है, सवाल संसद की गरिमा को नीचे गिराने का है। अगर पुलिस अधिकारी इस हद तक जा सकते हैं, तो मैं नहीं जानता यह जनतंत्र रहेगा या नहीं रहेगा। इस मामले को इस

गम्भीरता से लेते हुए इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। मुझे विश्वास है कि गृह मंत्री जी इस मामले को अधिक गम्भीरता से लेंगे।

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker, Sir, on behalf of my Party, I condemn this incident. I know Shri Devendra Prasad Yadav very well. He was a Member of Parliament from the Ninth Lok Sabha, and he was a Cabinet Minister in Shri Deve Gowda's Government. He is also one of the panel Chairmen. He always believed in non-violence. His attitude and behaviour is known to everybody in this House.

While attacking the Member of Parliament, who was taking out a peaceful procession, the Police should have shown some restraint. Many people witnessed the incident and they have corroborated the facts of the case.

On behalf of my Party, I wish to put two demands before the Government. One is that a high-level inquiry should be ordered and, secondly, the arrested farmers should be released. Otherwise, a wrong signal will go to the whole country that the farmers, who are in distress due to drought and floods, are now being arrested by the Police. They should be immediately released, the erring police officers should be suspended, and a high-level inquiry, maybe, by the CBI or whatever it is, should be ordered. ...

(*Interruptions*) If a House Committee is constituted to inquire into this, we know that it will take around three years to submit its report.

SHRI S.S. PALANIMANICKAM (THANJAVUR): Sir, on behalf of the DMK Party, I strongly condemn the barbaric act committed by the Delhi Police. It is the duty of the Government to safeguard the rights of the hon. Members of Parliament, the public and the farmers. I urge upon the Government to take strong action against those who are involved in this case. Thank you.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, considering the gravity of the situation, you have suspended the Question Hour. Naturally, the Ministry is going to take action against those guilty persons who very undemocratically and ruthlessly made *lathi* charge and used tear-gas on the peaceful agitators, who were being led by Shri Devendra Prasad Yadav.

Shri Devendra Prasad Yadav, basically, is not arrogant in nature. He is, basically, a very peaceful man. I heard from him that he was beaten up, though his identity was disclosed to the police officials and the Deputy Commissioner of Police, who was in-charge of the whole Police contingent. In spite of his repeated appeals, the Police behaved like this.

We condemn this attack. The hon. Home Minister is present in the House. We firmly believe that some decision will certainly be taken by the Government. Eight persons have already been arrested and their names are here. Lastly, I would request the hon. Home Minister to instruct the Delhi Police to release all these arrested farmers and not to follow the Bengal Police line of tackling the agitators or those who launch movements democratically in their own States.*(Interruptions)*

.....\*

*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Please sit down. This is not a question pertaining to the Bengal Government and the Police.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : This is disgraceful. If a person like Shri Somnath Chatterjee utters such type of things, it is really disgraceful.

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, what Shri Somnath Chatterjee said should be removed from the records.

SHRI K. MALAISAMY (RAMANATHAPURAM): On behalf of AIADMK Party, I am unable to find adequate words to express our anguish and agony about the way in which one of our colleagues has been manhandled by the Police. We wonder how under the able leadership of Home Minister, the Police can behave like this. Whatever you call it, be it a procession or a *hartal*, it has been pre-planned, announced and advance information has already been given about it.

The police is entitled to maintain law and order. We are not against it. How to maintain it is the question. This is a clear case of excess by the police, as has been rightly said by some of our leaders. If Shri Yadav, being a

Member of Parliament, can be treated this way by the police, then how would the police handle the ordinary citizens? We join our other colleagues here to very strongly condemn this attitude of the police.

Sir, at the same time, as has been said by many of our colleagues here that such and such things should be done, I too join with them, I would also like to request the Government to consider and concede the demands of the farmers for which this procession, in which Shri Yadav has been beaten up, was taken out. That would then be a solace for Shri Yadav. I wish that the interest of the farmers

\* Expunged as ordered by the Chair

should be protected and Government should concede to the demands of the farmers for which this procession was taken out.

उपप्रधान मंत्री तथा गृह मंत्रालय के प्रभारी (श्री लालकृष्ण आडवाणी) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय में कुछ भी कहूँ, उससे पहले मैं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर जिसे पूरे सदन ने गंभीरता से लिया है, उस पर मैं खेद प्रकट करना चाहूँगा। आखिर लोग यहां आकर हमारे यहां शांति पूर्वक प्रदर्शन करें, यह लोक तंत्र का एक मौलिक अधिकार है और उसमें भी उस प्रदर्शन का नेतृत्व दे वेन्द्र यादव जैसे व्यक्ति कर रहे थे जिनको हम सभी लोग जानते हैं कि वह सामान्यतः शांति पूर्वक आकर अपनी बात कहते हैं। उनसे आप सहमत हों, असहमत हों, वह एक अलग बात है लेकिन जिस प्रकार से हम उनको जानते हैं, इसके कारण प्राइमा-फेसी मैंने जितना उनको सुना और उसके बाद दो पूर्व प्रधान मंत्रियों ने कहा, मुझे लगता है कि प्राइमा-फेसी मैं मानता हूँ कि जो कुछ हुआ है, वह दुर्भाग्यपूर्ण हुआ है, गलत हुआ है। मैं उसके लिए सरकार की ओर से खेद प्रकट करता हूँ। इसके बाद दूसरी बात मैं कहना चाहूँगा कि मुझे इस बात का और भी खेद है कि इस संदर्भ में आज तीन लोगों को उनको घर से गिरफ्तार किया गया। अभी बाद में सूचना आई कि पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। मैं नहीं जानता हूँ कि इस मामले में सच्चाई क्या है लेकिन मैं घोणा करना चाहता हूँ कि जितने लोग इस किसान प्रदर्शन के संदर्भ में गिरफ्तार हुए होंगे तो उनको रिहा कर दिया जाएगा। तीसरी बात, आप सहमत होंगे कि किसी के खिलाफ कार्रवाई करने की बात मैं कभी नहीं कहूँगा जब तक कि मैं उनसे पहले न पूछूँ और मुझे यह अवसर नहीं मिला है कि मैं उनसे पूछूँ कि आपको क्या कहना है? आपने इस प्रकार से क्यों किया? जबकि अगर शांति पूर्ण था तो आपने लाठीचार्ज क्यों किया, आपने टियर-गैसर क्यों चलाई और आपने वॉटर कैनन क्यों चलाई? क्योंकि मेरे पास जो पर्ची आई है, उसमें एक पर्ची यह भी आई है कि हमने कभी लाठीचार्ज नहीं किया।... (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, this is the kind of information that is available with the Government... (*Interruptions*)

MR.SPEAKER: The Home Minister has made a statement. He has not said that the information is correct. He has said that he has received the information. Let him complete his submission.

... (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : The notice was given in the morning and still he does not have the information with him... (*Interruptions*) How can he say like this?... (*Interruptions*)

MR.SPEAKER: He has not said that this information was correct. Let him complete his submission.

... (*Interruptions*)

SHRI K. YERRANNAIDU : Sir, please allow the hon. Deputy Prime Minister to complete his speech... (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : What is this? ... (*Interruptions*) This is the way the Government is functioning... (*Interruptions*)



MR. SPEAKER: He has not ascertained the information, he has only received the information. आपको होम मिनिस्टर साहब को सुनना पड़ेगा। कम से कम उनकी बात तो सुनिए। कृपया बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह मेडिकल की रिपोर्ट है।...(व्यवधान)

**12.00 hrs.**

श्री लालकृष्ण आडवाणी : मैं देवेन्द्र जी की बात का विश्वास करता हूँ। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उन पर भरोसा करते हुए, उन्होंने कहा है कि उनका स्टेटमेंट सही है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया बैठिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please listen to me. Please sit down.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Home Minister has said that he believed in the statement made by Shri Devendra Prasad Yadav. He did not say that he believed in the statement made by the officers. What else do you want?

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let me make it clear. This is not the right way of agitating. The Home Minister has said that he believed in the statement made by Shri Devendra Prasad Yadav.

श्री चन्द्रशेखर : अध्यक्ष जी, मैं माननीय गृह मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि राममनोहर लोहिया अस्पताल की मैडिकल रिपोर्ट है और उस रिपोर्ट में लिखा हुआ है कि उनको चोटें आई हैं। चोटें अचानक तो देवदूतों से नहीं आई होंगी। चोटें किसी ने लगाई होंगी, तो आई हैं। ... (व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : यह पेसबन्दी है। ईंट मारकर खुद ही चोटें लगाई हैं... (व्यवधान)

गृह मंत्री जी पर्ची को फाड़कर फैंक दीजिए। पर्ची देने वाले को सजा दीजिए। ... (व्यवधान)

**श्री चन्द्रशेखर :** पर्ची की सजा नहीं। पुलिस विभाग अधिकारियों से जो रिपोर्ट मिली हो और रिपोर्ट को गृह मंत्री जी तक पहुंचाना उनका कर्तव्य है। यहां पर रिपोर्ट है और अगर उसको यहां न लिखते, तो ज्यादा अच्छा होता। आपको इस परिस्थिति में डालते, तो ज्यादा अच्छा होता।

**श्री लालकृष्ण आडवाणी :** महोदय, मैंने दो बातों की घोणा की और मैंने इतना ही कहा है कि मेरा यह कर्तव्य भी बनता है कि उनसे मैं पूछूं। उनकी तरफ से एक कागज है, जिसमें उन्होंने वाटर-कैनिंग स्वीकार किया है, टीयर गैस शैलिंग स्वीकार किया है। लेकिन इस मामले में दो वर्जन हो सकते हैं। मैं आपके ऊपर छोड़ूंगा, जैसा आप गाइड करें, जांच होनी चाहिए तो जांच करने के लिए तैयार हैं, सरकारी जांच के लिए कहें या सदन की कमेटी बनाने के लिए कहें, लेकिन कुल मिलाकर ... (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** देखिए, मंत्री जी को तो सुनना पड़ेगा।

... (व्यवधान)

**श्री लालकृष्ण आडवाणी :** अध्यक्ष जी, कार्रवाई करने से पहले मुझे उनसे पूछना पड़ेगा। मैं कार्रवाई की घोणा नहीं कर सकता हूं। मैं किसी का सस्पेंशन आर्डर नहीं कर सकता हूं... (व्यवधान)  
मुझे इतना ही कहना है। ... (व्यवधान)

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI :** A notice was given in the morning. Still the Minister says that he has to consult the Department. ...  
(Interruptions) What kind of Government is running the country? ...  
(Interruptions) This kind of casual approach ... (Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय :** मैं निवेदन करना चाहता हूं, मुझे निवेदन करना का हक है या नहीं। इस तरह से कैसे चलेगा।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am going to make a statement. Please listen to me.

A very serious incident has taken place. Hon. Member of this House Shri Devendra Prasad Yadav has been beaten by the police, according to his statement. In such matters, I always believe the statement made by the hon. Member against the statement made by the Administration. Therefore, I truly believe that, unfortunately, the Member was beaten when he was heading a *Morcha*.

I have heard the statement of the hon. Deputy Prime Minister. He has also said that he was prepared for an inquiry of any nature, whatever the Speaker thinks proper. Even if the Speaker wants to appoint a Committee of the House, he has no objection, that is what the hon. Deputy Prime Minister has said.

After hearing him, if there is a consensus in the House, I am prepared to refer this matter to the Committee of Privileges for examination, investigation and report to this House. If the House agrees, it is a matter of justice, this will go to the Committee of Privileges and a report will come to the House.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please listen to me. I have not completed yet.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The normal procedure has been that such matters are sent to the Privileges Committee which inquires into them. If the House feels that a Committee of the House should be appointed, I have no objection. The Committee will be appointed.

... (*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): That Committee can be formed...  
(*Interruptions*)

SHRI TARIT BARAN TOPDAR : What will happen to the guilty persons as long as the Report is not tabled here?... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It will be tabled.

SHRI TARIT BARAN TOPDAR : Mr. Speaker, Sir, if you truly believe that the hon. Member was beaten up, then action should be taken against the guilty.... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम आपसे एक निवेदन करना चाहते हैं, किसी भी निपक्ष जांच के लिए निलम्बन की प्रक्रिया होती है। निलम्बन कोई सजा नहीं है, इसलिए हम निवेदन करेंगे कि निलम्बन करने में सरकार को क्या आपत्ति है? सरकार या आप स्वयं आसन से घोषणा करें कि उन लोगों को निलम्बन किया जाए, जिनकी लाठी से देवेन्द्र प्रसाद यादव जी, सारे

किसान तथा कई अन्य लोग घायल हुए हैं।...(व्यवधान) उसके बाद इन पर कार्यवाही होनी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : महोदय, निलम्बन के साथ-साथ मेरा इतना निवेदन है कि हाउस की एक कमेटी बनाई जाए, जो एक सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट हाउस में दे। उसके बाद गवर्नमेंट उन पर कार्यवाही करें।...(व्यवधान)

SHRI H.D. DEVE GOWDA : Sir, let me be very clear. The hon. Deputy Prime Minister has expressed regrets over this incident... *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Yes, he has expressed.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Not apology... *(Interruptions)*

SHRI H.D. DEVE GOWDA : About this incident which took place yesterday, about the whole episode that happened yesterday, he has expressed regrets... *(Interruptions)*... What I heard was that he had expressed regrets... *(Interruptions)*... If I am wrong, I do not know.... *(Interruptions)*

The only thing I would request your goodself, Mr. Deputy Prime Minister, is this.

On the question of constituting a Committee or referring the matter to the Privileges Committee as decided by the hon. Speaker, I would say that the hon. Member had not mentioned about the Privileges Committee. He just wanted a Committee to be constituted by this House. But that is a different matter. The hon. Speaker has asked about the consensus of the House. Ultimately, it is left to the House. As to when the Report will be placed before the House, after the inquiry is over, is left to the Privileges Committee.

About the incident that happened yesterday against the hon. Member of this House, the hon. Home Minister also has the experience of the last three to four years, that arresting the three persons and subsequently five persons in the morning, is totally a fabricated evidence that they want to

create. We all know about these things. It is just to justify the police excesses

Today, let the hon. Deputy Prime Minister call those officers and get his own feedback. The administration has to be run. He should get the information from other side also. Then, he must come back to the House today itself. If he is convinced that the excesses were there by the police officers, those officers should be suspended and their suspension should be announced in the House today itself.... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri K. Yerrannaidu, please. This issue is almost over now.

SHRI K. YERRANNAIDU : Just one minute.

Constituting a Committee of the House, probing of the matter and submission of the Report is a separate aspect. If the hon. Home Minister is convinced that there is a *prima facie* case against the officials, those officials should be suspended immediately, to create a confidence among the farming community.

Probing the matter by a Committee of the House will take time. But after the preliminary investigation, if the hon. Home Minister is convinced, those guilty officers should be suspended immediately... (*Interruptions*)

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): But what did he say just 24 hours back?... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let me now settle the issue.

I have already declared that a Committee of the House can be formed....  
(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, इसकी जांच करके एक-दो घंटे के बाद दोबारा स्टेटमेंट दें तो ज्यादा बेहतर होगा।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Committee of the House will be declared and it will start working. It will come to the House to give its report as early as possible.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please listen to me. What is this going on?

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: A request has been made to the hon. Home Minister that he should go into the details of this matter, and before the House adjourns today, let him come with the report and those who are found guilty or suspected to be guilty, may be suspended.

Let us hear what he has to say. It is for the Home Minister to say.

MR. SPEAKER: Please listen to him now.



... (*Interruptions*)

SHRIMATI MARGARET ALVA (CANARA): Sir, there is a march by women towards the Parliament. Please make sure that your officers do not do the same thing with the women.... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have not permitted her.

... (*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, ...(व्यवधान) इनका इतने से सैटिस्फाई होने का सवाल ही नहीं है।

उपप्रधान मंत्री तथा गृह मंत्रालय के प्रभारी (श्री लालकृष्ण आडवाणी) : अध्यक्ष जी, यह सर्वथा उपयुक्त है कि आपने सदन की इच्छाओं का ख्याल रखते हुए एक प्रकार से सरकार को निर्देश दिया है कि आज सदन उठने से पहले इस मामले में प्राइमा-फैसी जांच करके एक निर्णय पर आये। मैं इस विषय में तुरंत ही अधिकारियों को बुलाकर पूछूंगा लेकिन जैसा मैंने पहले कहा, जहां तक लोगों को रिहा करने का सवाल है, जो घटना हुई है उस पर खेद प्रकट करने का सवाल है, यह मैं कर सकता हूं लेकिन किसी के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले मैं उनको सुनना जरूर चाहूंगा।

---

**12.12 hrs.**